Roll No. ..... Total Pages : 4

MDE/M-20 **6982**

आधुनिक गद्य साहित्य

Paper–VIII (HI-108)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

नोट : प्रत्येक पुस्तक की **एक-एक** व्याख्या अनिवार्य है।

(क) महापद्म का जारज-पुत्र नन्द केवल शस्त्र-बल और कूटनीति के द्वारा सदाचारों के सिर पर ताण्डव नृत्य कर रहा है। वह सिद्धान्त-विहीन, नृशंस, कभी बौद्धों का पक्षपाती, कभी वैदिकों का अनुयायी बनकर दोनों में भेदनीति चलाकर बल संचय करता रहता है। मूर्ख जनता धर्म की ओट में नचायी जा रही है।

(ख) स्मरण रखना होगा कि ईश्वर ने सब मनुष्यों को स्वतन्त्र उत्पन्न किया है, किन्तु व्यक्तिगत स्वतन्त्रता वहीं तक दी जा सकती है, जहाँ दूसरों की स्वतन्त्रता में बाधा न पड़े। यही राष्ट्रीय नियमों का मूल है।

(ग) राजकुमारी। प्रेम में स्मृति का ही सुख है। एक टीस उठती है, वही तो प्रेम का प्राण है। आश्चर्य तो यह है कि प्रत्येक कुमारी के हृदय में वह निवास करती है। पर, उसे सब प्रत्यक्ष नहीं कर सकती, सबको उसका मार्मिक अनुभव नहीं होता।

(घ) कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ सम्बन्धों के संकुचित मण्डल से ऊपर उठाकर लोक सामान्य भाव भूमि पर ले जाती है, जहाँ जगत की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है, इस भूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य को कुछ काल के लिए अपना पता नहीं रहता।

(ङ) संसार की प्रत्येक वस्तु उसी सीमा तक सुन्दर है, जिस सीमा तक वह जीवन की विविधता के साथ सामंजस्य की स्थिति बनाए हुए है और प्रत्येक विरूप वस्तु उसी अंश तक विरूप है, जिस अंश तक वह जीवनव्यापी सामंजस्य को छिन्न-भिन्न करती है। अतः यथार्थ का द्रष्टा जीवन की विविधता में व्याप्त सामंजस्य को बिना जाने अपना निर्णय अगर करेगा तो उसे जीवन की स्वीकृति नहीं मिलती।

(च) राम का बोझ इतना भारी हो उठता है कि राम उस बोझ से कराह उठते हैं और इस वेदना के चीत्कार में सीता के माथे का सिंदूर और दमक उठता है, सीता का वर्चस्व और प्रखर हो उठता है। (3×7=21)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के सविस्तार आलोचनात्मक उत्तर दीजिए:

(क) 'पथ के साथी' रचना संस्मरण है या रेखाचित्र विधागत विशेषताओं के आधार पर स्पष्ट करें।

(ख) प्रथम रेखाचित्र 'प्रणाम' को 'पथ के साथी' रचना का मंगलाचरण कहना कहाँ तक उचित है, स्पष्ट करें।

(ग) सियारामशरण गुप्त के व्यक्तित्व का रेखाचित्र अपने शब्दों में स्पष्ट करें।

(घ) असाधारण कोमलता के धनी सुमित्रानंदन पंत के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालें।

(ङ) जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताएँ महादेवी वर्मा को उन्हें अपना पथ का साथी बनाने के लिए प्रभावित करती हैं।

(च) महादेवी वर्मा की भाषा-शैली पर प्रकाश डालें।

(3×12=36)

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के लघूत्तर दें:

(क) प्रेमचन्द को 'कलम के सिपाही' की संज्ञा देना कहाँ तक उचित है?

(ख) 'उत्तरयोगी' के आधार पर महर्षि अरविन्द की दार्शनिक विचारधारा पर प्रकाश डालें।

(ग) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' की भाषा-शैली।

(घ) यात्रा वृत्तान्त परम्परा में 'घुमक्कड़शास्त्र' का महत्त्व।

(ङ) 'साहित्य देवता' का परिचय दें।

(च) भारतेन्दु जी की राष्ट्रीय चेतना।

(छ) अश्क जी द्वारा नाटकों में उठाई समस्याएँ।

(ज) विष्णु प्रभाकर जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

(झ) लक्ष्मीनारायण लाल कृत 'मादा कैकटस' नाटक का संदेश।

(ञ) 'शंकर शेष कृत 'पोस्टर' नाटक का उद्देश्य। (5×3=15)

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दें:

(क) चन्द्रगुप्त नाटक में कितने गीत संकलित हैं?

(ख) हिमाद्री तुंग श्रृंग से ..... यह गीत नाटक में किसने गाया है?

(ग) 'संवत्सर' निबन्ध के लेखक का पूरा नाम बताइए।

(घ) महादेवी वर्मा किस विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर विराजमान हुई।

(ङ) 'पथ के साथी' में सबसे कम उम्र किस साहित्यकार की थी?

(च) आरम्भ में पंत किस नाम से कविताएँ लिखते थे।

(छ) कूटज का क्या अर्थ है?

(ज) कुबेरनाथ राय किस संस्थान के निबन्धकार हैं? (8×1=8)